



कार्यालय सचिवालय

अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद

International Council of Religions

वेबसाइट: www.icr-int.org

Ref No.: - ICR/2025/68285

Dated: - 01/10/2025

अधिसूचना

विषय: परिषद के विधि एवं नीति अनुसंधान प्रकोष्ठ द्वारा संकलित ऐतिहासिक वार्षिक नीति अनुसंधान रिपोर्ट 2025 (Annual Policy Research Report 2025) शीर्षक- 'डिजिटल युग में सर्वधर्म संवाद: अवसर व खतरे' (Interfaith Dialogue in the Digital Age: Opportunities and Threats) का आधिकारिक विमोचन, वैश्विक संस्तुतियां एवं नीतिगत दिशा-निर्देश।

अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद के संविधान के अनुच्छेद 19 (अकादमिक अनुसंधान, नीति निर्माण एवं वैश्विक वैचारिक विमर्श) के उपबंधों के अंतर्गत प्रदत्त विधिक शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा शासी निकाय (Governing Council) द्वारा पारित संकल्प संख्या PR-22/2025 के अनुसरण में, वर्ष 2025 की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नीति अनुसंधान रिपोर्ट 'डिजिटल युग में सर्वधर्म संवाद: अवसर व खतरे' का आधिकारिक विमोचन, इसके मुख्य निष्कर्ष तथा वैश्विक सरकारों, तकनीकी मंचों एवं धार्मिक निकायों हेतु 7-सूत्रीय विधिक अनुशंसाएं एतद्वारा अधिसूचित एवं जारी की जाती हैं।

1. संक्षिप्त नाम, रिपोर्ट पृष्ठभूमि एवं शोध कार्यप्रणाली

1.1 यह अधिसूचना 'अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद वार्षिक नीति अनुसंधान रिपोर्ट अधिसूचना, 2025' कहलाएगी।

1.2 इस रिपोर्ट का निर्माण परिषद के विधि एवं नीति अनुसंधान प्रकोष्ठ द्वारा 18 माह के सघन वैश्विक सर्वेक्षण, 85 राष्ट्रों के 12,000+ उत्तरदाताओं के डाटा विश्लेषण तथा 50 अंतरराष्ट्रीय साइबर, दार्शनिक व मानवाधिकार विशेषज्ञों के परामर्शों परांत किया गया है।

1.3 यह रिपोर्ट डिजिटल स्पेस (सोशल मीडिया, एआई चैटबॉट्स, एल्गोरिद्मिक नैरेटिव्स) में अंतर-धार्मिक सौहार्द के नए अवसरों तथा उभरते सांप्रदायिक खतरों का एक व्यापक विधिक एवं समाजशास्त्रीय दस्तावेज है।

2. रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष: डिजिटल युग के प्रमुख अवसर

नीति रिपोर्ट में अंतर-धार्मिक संवाद के संवर्धन हेतु डिजिटल क्रांति के निम्नलिखित सकारात्मक पहलुओं को रेखांकित किया गया है:

अवसर 1: भौगोलिक सीमाओं से परे अंतर-धार्मिक संवाद

• वर्चुअल प्लेटफॉर्म्स एवं मेटावर्स के माध्यम से विभिन्न महाद्वीपों के युवा, शोधार्थी एवं धर्मगुरु बिना किसी यात्रा प्रतिबंध के 24/7 साझा विमर्श में सक्षम हुए हैं।

• रिपोर्ट के अनुसार 68% युवा उत्तरदाता डिजिटल माध्यमों से अन्य धर्मों के दर्शन और मूल्यों को अधिक निष्पक्ष रूप से समझने में सक्षम हुए हैं।

अवसर 2: धार्मिक ग्रंथों एवं दर्शन का लोकतांत्रिक डिजिटलीकरण

- बहुभाषी अनुवाद सॉफ्टवेयरों एवं डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से दुर्लभ धार्मिक पांडुलिपियों व दार्शनिक ग्रंथों की सार्वभौमिक उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

अवसर 3: संकट के समय त्वरित मानवीय सेवा समन्वय

- डिजिटल क्राउडफंडिंग एवं सोशल मीडिया नेटवर्क्स के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं व युद्ध क्षेत्रों में सर्वधर्म राहत अभियानों का त्वरित संयोजन संभव हुआ है।

3. रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष: डिजिटल युग के गंभीर खतरे

रिपोर्ट में डिजिटल तकनीकों के दुरुपयोग से उत्पन्न होने वाले निम्नलिखित गंभीर जोखिमों के प्रति आगाह किया गया है:

खतरा 1: एल्गोरिद्मिक ध्रुवीकरण एवं इको-चेंबर

- प्रमुख सोशल मीडिया एल्गोरिद्म सनसनीखेज, भड़काऊ और विभाजनकारी धार्मिक सामग्री को शांति-संदेशों की तुलना में 6 गुना अधिक गति से बढ़ावा देते हैं।
- उपयोगकर्ताओं को उनके ही संकीर्ण पूर्वाग्रहों के 'इको-चेंबर' में कैद कर सांप्रदायिक विद्वेष को अनजाने में पोषित किया जा रहा है।

खतरा 2: जेनेरेटिव एआई एवं डीपफेक द्वारा धार्मिक भ्रामकता

- धर्मगुरुओं के नकली ऑडियो/वीडियो (Deepfakes) तथा फर्जी धार्मिक फतवे/वक्तव्य बनाकर दंगे और तनाव भड़काने का खतरा 2025 में 300% तक बढ़ा है।

खतरा 3: संगठित घृणा-भाषण एवं साइबर ट्रोलिंग

- धार्मिक अल्पसंख्यकों एवं अंतर-धार्मिक सौहार्द के पक्षधरों को सुनियोजित ऑनलाइन प्रताड़ना, ट्रोलिंग और डिजिटल हिंसा का सामना करना पड़ रहा है।

4. वैश्विक हितधारकों हेतु 7-सूत्रीय विधिक नीतिगत संस्तुतियां

शासी निकाय द्वारा अनुमोदित 7-सूत्रीय विधिक अनुशंसाएं निम्न प्रकार जारी की जाती हैं:

1. अंतरराष्ट्रीय तकनीकी कंपनियों (Tech Giants) द्वारा एल्गोरिद्मिक पारदर्शिता एवं घृणा-भाषण के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता फिल्टर लागू करना।
2. संयुक्त राष्ट्र (UN) एवं सदस्य राष्ट्रों द्वारा जेनेरेटिव एआई में 'धार्मिक एवं सांस्कृतिक पूर्वाग्रह निवारण मानक' (Ethical AI Guardrails) को अनिवार्य बनाना।
3. राष्ट्रीय स्तर पर 'अंतर-धार्मिक साइबर शांति सेल' (Interfaith Cyber Peace Units) का गठन जो भ्रामक धार्मिक सूचनाओं का त्वरित फैक्ट-चेकिंग करें।
4. धार्मिक संस्थाओं व उपासना स्थलों द्वारा अपने युवाओं हेतु 'डिजिटल साक्षरता एवं सद्भाव कार्यशालाओं' का अनिवार्य आयोजन।
5. डिजिटल हिंसा, डीपफेक व धार्मिक घृणा फैलाने वाले संगठित तंत्रों के विरुद्ध कठोर साइबर सुरक्षा कानूनों का प्रवर्तन।
6. तकनीकी कंपनियों द्वारा अंतर-धार्मिक संवाद एवं शांति निर्माण के डिजिटल प्रोजेक्ट्स को CSR फंड का 10% आवंटित करना।
7. परिषद द्वारा 'वैश्विक डिजिटल सर्वधर्म निगरानी वेधशाला' (Global Digital Interfaith Observatory) की स्थापना।

5. रिपोर्ट उपलब्धता, ओपन-एक्सेस एवं भाषा अनुवाद

5.1 यह 280-पृष्ठीय संपूर्ण शोध रिपोर्ट परिषद के आधिकारिक शोध पोर्टल (www.interfaithcouncil.org/policy-report-2025) पर ओपन-एक्सेस (CC BY-NC-ND 4.0) लाइसेंस के तहत निःशुल्क डाउनलोड हेतु उपलब्ध है।

5.2 यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र की 6 आधिकारिक भाषाओं (अंग्रेजी, अरबी, स्पेनिश, फ्रेंच, रूसी, मंदारिन) तथा हिंदी में एक साथ प्रकाशित की गई है।

भवदीय,



अधिकृत प्रतिनिधि/विधि प्रकोष्ठ
अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद

दिनांक: 01 / 10 / 2025



अधिकृत प्रतिनिधि/विधि प्रकोष्ठ
अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद